

बीजेपी मंत्री श्रीरामुलु की बेटी की शादी में होंगे 500 करोड़ खर्च, एक लाख मेहमान भी

कर्नाटक(ए.)। 500 करोड़ रुपये खर्च, एक लाख मेहमान, नौ दिन जश्न...कुछ ऐसी होगी बीजेपी मंत्री बी. श्रीरामुलु की बेटी की शादीकर्नाटक में बीजेपी के ‘संकटमोचक’ कहे जाने वाले दलित नेता और कर्नाटक सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बी. श्रीरामुलु शादियों में खर्च के मामले में इतिहास रचने जा रहे हैं। बी. श्रीरामुलु की बेटी रश्मिता की 5 मार्च को शादी होगी और इसके लिए पानी की तरह से पैसा बहाया जा रहा है। इस मामले में बी. श्रीरामुलु अपने मित्र खनन माफिया जी जनार्दन रेड्डी को भी पीछे छोड़ने जा रहे हैं। आइए जानते हैं कि कैसे हो रही है इस आलीशान शादी की तैयारी...

एक लाख लोगों को न्योता, 40 एकड़ में शादी

रश्मिता की शादी के लिए 1 लाख विशेष कार्ड बनवाए गए हैं। इस कार्ड में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा गया है। न्योते के अंदर केसर, इलायची, सिंदूर, हल्दी पाउडर और अक्षत रखा गया है। श्रीरामुलु ने पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं और कर्नाटक के नेताओं को निजी तौर पर न्योता दिया है। यह शादी पैलेस ग्राउंड में होने जा रही है जो करीब



40 एकड़ में पसरा है। इसमें 27 एकड़ में शादी का आयोजन होगा और 15 एकड़ पार्किंग के लिए रखा गया है।

बॉलिवुड के आर्ट डायरेक्टर बना रहे सेट

पिछले तीन महीने से मजदूर इस

दशक की सबसे बड़ी और भव्य शादी

हेल्थ मिनिस्टर श्रीरामुलु की बेटी रश्मिता की हैदराबाद के उद्योपति रवि कुमार से 5 मार्च को शादी होने जा रही है। नौ दिनों तक चलने वाली इस बहुप्रतिष्ठित शादी की शुरुआत 27 फरवरी को हो गई है। बताया जा रहा है कि यह शादी इस दशक की सबसे बड़ी शादी होगी। इससे पहले वर्ष 2016 में हुई जी जनार्दन रेड्डी की बेटी ब्राह्मणी की शादी के नाम पर यह रेकॉर्ड था। इतने आलीशान शादी का आयोजन करने वाले जनार्दन रेड्डी अब अपने मित्र श्रीरामुलु की शादी के आयोजन में मदद कर रहे हैं।

500 पुजारी कराएंगे रश्मिता की शादी

इस भव्य शादी में शीर्ष राजनेताओं के अलावा 500 पुजारियों को आमंत्रित किया गया है। उन्हें रुकने के लिए बैंगलुरु में विशेष इंतजाम किया गया है। हालांकि श्रीरामुलु से जुड़ा कोई भी शख्स शादी में हो रहे बेतहशा खर्च के बारे में बात नहीं कर रहा है, फिर भी विरयस्थ सूत्रों के मुताबिक जनार्दन रेड्डी की बेटी ब्राह्मणी की शादी से ज्यादा खर्च इस शादी में होगा। वर्ष 2015 में अरैध खनन केस में जमानत पर रिह होने के एक साल बाद रेड्डी ने बेटी की शादी की थी और उसने 500 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

कौन हैं बीजेपी नेता बी. श्रीरामुलु

कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी का दलित चेहरा बने बी. श्रीरामुलु (46) पार्टी के संकटमोचक कहे जाते हैं। जी जनार्दन रेड्डी और बी श्रीरामुलु की जोड़ी ने कर्नाटक में असंभव सवर्गी जा रही बीजेपी सरकार को संभव बनाया। वाल्मीकि समुदाय से आने वाले कट्टर नेता श्रीरामुलु ने अपने दोस्त जनार्दन रेड्डी के साथ मिलकर कांग्रेस और जेडीएस के खेमे से विधायकों को तोड़ा और बीएस येडियुरा की सरकार बनवाई।

दो मालगाड़ियों में टक्कर तीन की मौत



सिंगरौली(ए.)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में एनटीपीसी की दो मालगाड़ियां आमने-सामने से टकरा गईं, जिसके चलते दोनों गाड़ियों की बोर्गिया बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है और कई रेल कर्मचारियों के दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव कार्य जारी है। पुलिस नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को एनटीपीसी संयंत्र की दो मालगाड़ियां बैद्वंथाना क्षेत्र में आमने-सामने से टकराई गईं। इनमें एक मालगाड़ी कोयले से भरी हुई थी वहीं दूसरी ओर से आ रही मालगाड़ी खाली थी। इस हादसे में दोनों गाड़ियों के कर्मचारियों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। राहत और बचाव कार्य जारी है।

आग से अपने कुत्ते को बचाने के लिए जान पर खेल गया मेजर, मौत

श्रीनगर(ए.)। हर रोज गिरकर भी खड़े हैं...ऐ ज़िंदगी देख मेरे हौसले तुझसे भी बड़े हैं। जब चारों ओर आग की लपटें और धुआं हो तो ज़िंदगी की बात बेमानी सी लगती है। लेकिन कश्मीर की बर्फीली वादियों में तैनात भारतीय सेना के एक जवान ने आग की भयंकर लपटों के बीच ज़िंदगी की डोर को टूटने नहीं दिया। आर्मी ऑफिसर का हौसला इतना बुलंद था कि उसने तीन-तीन ज़िंदगियों को मौत के मुंह से बचा लिया। इनमें से एक उनकी बीवी थीं और दो डॉगी। जम्मू-कश्मीर में आग की लपटों में घिरे अपने कुत्ते को बचाने के लिए सेना के मेजर ने जान दांव पर लगा दी। इस दौरान अपने दो कुत्तों की जान बचाते हुए सेना का अधिकारी खुद बुरी तरह झुलस गया। मौके पर ही मेजर अंकित बुद्धराज की मौत हो गई। सेना के अधिकारी की दिलेरी ने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं। उनकी बहादुरी की चारों तरफ चर्चा है। कश्मीर घाटी के बारामुला जिले के गुलमर्ग क्षेत्र में अपने कुत्ते को आग से बचाते हुए सेना के अधिकारी की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात अधिकारी के घर में आग लग गई। एसएसटीपी में कोर सिमल से संबद्ध मेजर अंकित बुद्धराज ने अपनी पत्नी और एक कुत्ते को घर से सुरक्षित बाहर निकालने में कामयाब रहे। वहीं, दूसरे कुत्ते को बचाने के दौरान वह खुद 90 फीसदी तक जल गए और उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई।



जिस दिन बेटे ने आत्महत्या पर लिखी कविता, कर्ज में डूबे किसान ने किया सूसाइड

नासिका(ए.)। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के पथार्दी तालुका में गुरुवार की रात को कर्ज में डूबे किसान मल्हारी बत्रूले (32) ने गुरुवार की रात को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया। विडंबना देखिए उसी दिन मल्हारी ने जहर खाया, जिस दिन उनके बेटे ने मराठी भाषा दिवस पर किसानों की आत्महत्या को लेकर कविता लिखी थी। मल्हारी का बेटा स्थानीय सरकारी स्कूल में कक्षा 3 में पढ़ाई करता है। इस कविता ने बच्चे ने किसानों से आत्महत्या नहीं करने की अपील की थी लेकिन उसका प्रयास व्यर्थ रहा। पथार्दी पुलिस स्टेशन में बताया कि मल्हारी बत्रूले को अहमदनगर के हॉस्पिटल ले जाया गया लेकिन बाद में उनकी मौत हो गई। पुलिस दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया है।

संदेह

स्थानीय लोगों को आशा है कि इस डील के बाद पिछले 18 साल से जारी खूनी संघर्ष का खात्मा होगा

अमेरिका-तालिबान शांति समझौते पर अफगानिस्तान में कहीं खुशी, कहीं खोफ

काबुल । कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और तालिबान के बीच शांति समझौते के बाद युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में पिछले 18 साल से जारी खूनी संघर्ष के खत्म होने की आस जगी है। राजधानी काबुल के बाहरी इलाके में रहने वाले शिक्षक जावेद हसन कहते हैं कि शांति बहुत आसान है और मेरा देश इसका हक रखता है। आज ऐसा दिन है जब हम संभवतः सकारात्मक परिवर्तन देखेंगे।

वर्ष 2018 में तालिबान के बम विस्फोट में हसन के बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद से वह लगातार विश्व नेताओं को पत्र



लिखकर उनसे अफगान युद्ध को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। अब उनकी यह अपील रंग लाई है। अब नहीं देश के कुछ हिस्सों में लोग 18 साल से चली आ रही जंग के खत्म होने के बाद जश्न मनाते देखे गए। तालिबान के गढ़

कहे जाने वाले पूर्वी खोस्त प्रांत के रहने वाले अरेफुल्लाह साद ने कहा, हम बड़ी शिदत से विदेशी आक्रांतों के अफगानिस्तान छोड़ने का इंतजार कर रहे हैं। गजनी प्रांत की रहने वाली जर्मिना कहती हैं, मैं नहीं जानती

दिल्ली दंगे: सोशल मीडिया पर भड़काया तो खैर नहीं

कई नामचीन हस्तियों पर भी नजर, नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में फिलहाल शांति, सोशल मीडिया पर पैनी नजर

दिल्ली को दंगों में ड़ांकने के पीछे संदेशों और अप्रवाहों की बड़ी भूमिका रही है



167 केस दर्ज, 885 गिरफ्त में

हिंसा की जांच में जुटी SIT ने अब तक 167 केस दर्ज किए हैं। 885 लोगों को पकड़ा, 36 अवैध हथियार बरामद हुए और 200 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए हैं। कई जगह .32 और 9 एमएम पिस्टल से चली गोली के खाली खोके मिले हैं। कुछ गोलाबारी दौरावों और पेड़ों में धंसी है।

दोषी व्यक्ति को तीन साल तक की सजा हो सकती है। सरकार लोगों से भी ऐसे संदेश आगे फावर्ड न करने की अपील करेगी।

साइबर सेल ने इस संबंध में दो दर्जन से ज्यादा FIR दर्ज की हैं और यह आंकड़ा बढ़ता जा रहा

है। इनमें से बहुत से ट्विटर हैंडल पाकिस्तान और खाड़ी देशों से चल रहे हैं। राजनीति, समाजसेवा के साथ बॉलिवुड से जुड़ी कई नामचीन हस्तियों के ट्विटर अकाउंट भी जांच के घेरे में हैं।

मानसिक ट्रॉमा से गुजर रहे हैं हिंसा में घायल हुए दो तिहाई मरीज

नई दिल्ली(ए.)। नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली में हुई हिस्सा के दौरान जो लोग घायल हुए हैं, उनमें से दो तिहाई मरीज मानसिक ट्रॉमा से गुजर रहे हैं। यह कहना है इहबास अस्पताल के डॉक्टरों का। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसे नजुक वक्त में अगर उन्हें सही ट्रेटमेंट और काउंसिलिंग नहीं दी गई तो इस सदमे से उबरने में उन्हें वर्षों लग जाएंगे।



अस्पताल के डॉक्टर डॉ. निमेश देसाई ने बताया कि हमारे अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम

भारत में कोरोना से पहली मौत? मलेशिया से लौटा था शख्स

कोची(ए.)। भारत में कोरोना वायरस का संक्रमण तो काफी पहले ही पहुंच चुका था। एक 36 साल के युवक को एर्नाकुलम के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जिसमें कोविड-19 जैसे लक्षण देखने को मिल रहे थे। शुक्रवार देर रात उस शख्स की मौत हो गई है। अब डॉक्टरों यह जांच करने में जुटे हैं कि क्या शख्स की मौत कोरोना वायरस से हुई है। मृतक शख्स मलेशिया से लौटा था और उसके टेस्ट की पहली रिपोर्ट निगेटिव आई थी।

निगेटिव रही पहली रिपोर्ट: अलापुझा के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (NIV) की पहली रिपोर्ट के अनुसार वह शख्स कोविड-19 से संक्रमित नहीं था। हालांकि, मृत व्यक्ति के शव को अभी भी आइसोलेशन में ही रखा गया है, जिसकी मौत शुक्रवार देर रात करीब 12.30 पर हुई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रोटोकॉल के मुताबिक इस पर कोई भी फैसला दूसरे सैपल टेस्ट के बाद ही लिया जा सकता है। शनिवार को स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक बैठक की और ये फैसला किया सैपल को टेस्ट के लिए NIV, पुणे भी भेजा जाए।

ऑफ वायरोलॉजी (NIV) की पहली रिपोर्ट के अनुसार वह शख्स कोविड-19 से संक्रमित नहीं था। हालांकि, मृत व्यक्ति के शव को अभी भी आइसोलेशन में ही रखा गया है, जिसकी मौत शुक्रवार देर रात करीब 12.30 पर हुई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रोटोकॉल के मुताबिक इस पर कोई भी फैसला दूसरे सैपल टेस्ट के बाद ही लिया जा सकता है। शनिवार को स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक बैठक की और ये फैसला किया सैपल को टेस्ट के लिए NIV, पुणे भी भेजा जाए।

तेजस्वी ने ‘अभिभावक नीतीश ’ को दी जन्मदिन की बधाई, मांगीं 7 करोड़ नौकरियां



पटना(ए.)। आरजेडी नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। प्रदेश में ‘बेरोजगारी हटाओ यात्रा’ पर निकले तेजस्वी ने नीतीश से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और बिहार के लोगों के लिए 7 करोड़ नौकरियों की भी मांग की। तेजस्वी ने नीतीश को संबोधित करते हुए लिखा कि बेरोजगारी हटाने की हमारी लड़ाई में आपका सहयोग अपेक्षित है।

बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 1 मार्च को अपना 70वां जन्मदिन मना रहे हैं। बिहार पर सबसे लंबे वक्त तक शासन करने वाले मुख्यमंत्री के तौर पर नाम दर्ज करने से बस कुछ ही माह दूर हैं। तेजस्वी ने नीतीश को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, आदर्शपूर्ण अभिभावक श्री नीतीश कुमार जी को जन्मदिवस की शुभ मंगलकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप आसममान और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ते हुए स्वस्थ और दीर्घायु रहें। जन्मदिवस के शुभअवसर पर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा

तेजस्वी ने की ‘बेरोजगारी हटाओ यात्रा’ की शुरुआत

बता दें कि तेजस्वी यादव ने चुनावी बिगुल बजाते हुए पिछले रविवार को अपनी राज्यव्यापी ‘बेरोजगारी हटाओ यात्रा’ की शुरुआत की है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी इस साल के आखिर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के बाद बिहार में सरकार बनाएगी। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि आरजेडी सरकार गरीबी मिटाएगी और फूड प्रोसेसिंग इकाइयों, उद्योग-विश्लिष्ट समूहों और पर्यटन को विकसित करके रोजगार के अवसर पैदा करेंगी।

दिलाने और बेरोजगारी हटाने की हमारी लड़ाई में सहयोग अपेक्षित है। नीतीश कुमार जन्मदिन के मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं के एक बड़े हजूम को आज संबोधित करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस साल के अंत में राज्य में विधानसभा चुनाव और गांधी मैदान में ‘कार्यकर्ता सम्मेलन’ चुनाव से पहले एक प्रकार से पार्टी का शक्ति प्रदर्शन है। जेडीयू के प्रवक्ता राजीव

संपादकीय

दंगाईयों से नुकसान की भरपाई

नई दिल्ली में तीन दिनों तक हुए दंगों से करोड़ों रुपए की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। दंगाईयों ने लोगों की नीजी की संपत्ति ही सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया है। नई दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के तर्ज पर भी नई दिल्ली में दंगाईयों से नुकसान की भरपाई कराने का फैसला किया है। जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। नई दिल्ली पुलिस ने दंगाईयों की पहचान कर उन पर जुर्माना लगाने का निर्णय लिया है और जुर्माना न पटाने की स्थिति में उनकी संपत्ति को कुर्क करने का निश्चय किया है। इस बारे में आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं जिसे अमली जामा पहनाने के लिए पुलिस से प्रशासनीक अधिकारियों और दिल्ली सरकार के साथ समनवय बनाने के लिए कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पहले पहल उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने दंगाईयों से नुकसान की भरपाई कराने की पहल की थी इसी का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश में दंगे होना लगभग बंद हो गए हैं। नए नागरिकता कानून के खिलाफ नई दिल्ली में जो सुनियोजित दंगे हुए है उसके पीछे किसका हाथ है यह जांच का विषय है किन्तु अब तक जो तथ्य सामने आए हैं। उसके अनुसार आम आदमी पार्टी के एक पार्षद ने अपने निवास को आतंक की फैक्ट्री बना रखा था जहां से आसपास के मकानों और दुकानों पर हमले किए गए और आगजनी कर लोगों की नीजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया गया। दंगे का आरोपी उक्त पार्षद अभी फरार है। पुलिस ने उसके मकान को सील कर दिया है। ऐसे ही और कई प्रभावी लोग हैं जिनका दिल्ली दंगों के पीछे हाथ है। ऐसे लोगों की पहचान कर उनसे दंगों में हुई छति की पूर्ति कराई जानी चाहिए और जो ऐसा न करें। उनकी संपत्ति कुर्क कर लेनी चाहिए। दंगा भड़काने वालों की अक्ल ठिकाने आणी। बेहतर होगा कि इस बारे में केन्द्र सरकार ही कड़ा कानून बनाए जो सारे देश में लागू किया जाए। नीजी और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना जघन्य अपराध घोषित किया जाए और इसके लिए आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा का दी जाए। दरअसल इस बारे में अब तक कोई कड़ा कानून नहीं बन पाया है। यही वजह है कि बात-बात पर कुछ संगठन उग्र आंदोलन करते है। जो दंबे के रूप में तब्दील हो जाता है। ऐसे अवसर पर असमाजिक तत्व लूटपाट मचाते है और सार्वजनिक व नीजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते है। बाद में प्रदर्शनकारी इस तरह की हिंसा के पीछे अपना हाथ न होने की बात कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुकर जाते है और पुलिस ऐसे दंगों को अज्ञात लोगों की करतुत मानकर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाती है। बहरहाल दिल्ली पुलिस का यह निर्णय स्वागत योग्य है और इस पर जल्द-जल्द अमल किया जाना चाहिए।

विचार

घरेलू हिंसा: एक थप्पड़ के मायने

घरेलू हिंसा हमारे समाज के लिए कोई अटपटी चीज नहीं है। जहां दो बर्तन होते हैं वहां ठन-ठन होती ही है। हमेशा एक बर्तन ही दूसरे को ठनठनाता है, और जब-तब कुछ ज्यादा ही ठनठना देता है। लेकिन मुलावरा ज्यों का त्यों चलता रहता है, जिंदगी का दर्ा नहीं बदलता। बहरहाल, समय बदलने के साथ यह सवाल भी खड़ा हो रहा है कि पत्नी के खिलाफपति की मौखिक और शारीरिक हिंसा को कैसे देखा जाए? हाल में रिलीज हुई फिल्म 'थप्पड़' (पहले: मूवी रिव्यू) में इस मुद्दे को समझ के एक अलग स्तर पर उठाने की कोशिश की गई है। पत्नी के खिलाफपति की हिंसा पर समाज का ध्यान तभी जाता है जब बात हद से ज्यादा बड़ जाती है। कोई अपनी पत्नी, अपने बच्चों के प्रति इतना निर्मम कैसे हो सकता है? घरेलू हिंसा (रोकथाम) कानून का दायरा भी वक़रता के ख़ोर से ही शुरू होता है। घरेलू हिंसा अपने आप में हमारे लिए कोई मुद्दा नहीं होती। पारंप्र सावाल हिंसा की मात्रा से जुड़े होते हैं। लड़कियों की विदाई के समय उन्हें आज भी ऐसी शिक्षा देना आम है कि पति अगर किसी बात पर ख़ुबड़ गया, कुछ भला-बुरा बोल गया या कभी गुस्से में उसका हाथ भी उठ गया तो उन्हें अपना संतुलन नहीं खोना चाहिए। ऐसे संस्कारों का ही नतीजा है कि अपने देश में घरेलू हिंसा भले ही घर-घर की कहानी हो, लेकिन थानों में इसकी शिकायतों के आकड़े आज भी इतने कम हैं कि इस मामले में विकसित देशों की महिलाएं भी भारतीय महिलाओं से इन्हीं कर सकती हैं। समस्या की ऐसी झुंझ समझ पर सवालिया निशान लगाने के लिए भारत जैसे पुराने समाज को बहुत सारे सांस्कृतिक झटकों की जरूरत पड़ती है। तीन-चार साल पहले आई फिल्म 'पिंक' ने भी हमें ऐसा ही एक झटका दिया था। याद रहे, योन संबंधों में सहमति को गैरजरूरी मानने वालों में आम लोग ही नहीं, पाश जैसे क्रांतिकारी कवि भी शामिल रहे हैं- 'युद्ध किसी लड़की के पहली हां जैसी ना है।' धारणा यह कि लड़की तो ना ही बोलती है, यह ना कब हां हो जाती है, यही समझने की बात है। 'पिंक' ने इस धारणा को ध्वस्त करते हुए मर्यादा की नई रेखा खींची कि ना का मतलब सिर्फना होता है। उम्मीद करें कि दंपत्य में निजता की जगह को लेकर ऐसी ही एक रेखा 'थप्पड़' के जरिये लोगों के दिलोदिमाग में खिंचेगी। वैसे, फिल्मों की अपनी सीमाएं होती हैं। उन पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ लटाने से बेहतर है, समाज अपने स्तर पर भी ऐसे सवालों से टकराना शुरू करे। दो वयस्क व्यक्तियों के बीच किसी मसले पर असहमति अगर उनमें से किसी एक को बल प्रयोग की हो जाती है तो इसका अर्थ यही है कि उनमें आपसी संवाह नहीं रह गया है। ऐसे में रिश्ते को बनाए रखने के लिए भले ही कितने भी पवित्र मूल्यों का हवाला दिया जाए, पर हकीकत में उसका टूट जाना ही ठीक होगा।

पाठकों की बात

आये थे अंधेरे मेरे हिस्से की रोशनी चुरानें



आये थे अंधेरे मेरे हिस्से की रोशनी चुरानें, कम नहीं थी फिर भी परेशानियाँ बढानें, हम थके हैं जिंदगी से पर हारे नहीं हैं, मेरे काह्ना अंधेरों में मेरी किस्मत सँवारो।
रश्मि ठाकुर

क्या..... इस बार मेरे देश में होली पत्थर

क्या..... इस बार मेरे देश में होली पत्थर, डंडों और गोली से खेली जायेगी क्या देश के नागरिक आपस में ऐसे ही झगड़ते रहेंगे क्यों आखिर क्यों...? रंगों के त्योहार को रंगों से ही मनाइये प्यार और भाईचारे से मनाइये! किसी और चीज से नहीं.....!
डॉ. अर्चना खण्डेवाल

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ख़ास पत्नी | राह में देता है ठोकर, कौन है



राह में देता है ठोकर, कौन है? मुस्कुराता होसले पर ,कौन है? गम की बारिश से हुई जंजर जमीं दिल की दीवारों का छप्पर कौन है? मेरी बेचैनी पे लोगों ने कहा खूबसूरत वो सितमगर कौन है? हैं सभी नौकर यहाँ सरकार के हुक्मरानें हैं कौन अफसर कौन है? ठोकरें दे या कि जो रस्ता दिखाए जिंदगी का असली रहबर कौन है? घर जिसे अपना कहे हक से कहे सोचती वो जिन्दगी भर, कौन है? बँट गया सरताज् दो टुकड़ों में आज उनसे पूछे हिंद का सर कौन है? है यहाँ बिखरे दिलों की दास्ती इल्म से बनता ही शायर कौन है? **सुरि सिंह**

रंगो-मिजाज़ इश्क का सच्चा

रंगो-मिजाज़ इश्क का सच्चा दिखाई दे। अहर्दे-वफ़ा के तोर पे ठहरा दिखाई दे। तर्कदीर में है फूल के दो दिन का यह सफ़र शादाब देखिये सदा सहरा दिखाई दे। किस्मत गुलाब की यहाँ कोंठे भरी मगर वक्ते बहार अलहदा निखरा दिखाई दे। **निरुष्मा चतुर्वेदी**

शाम बेशक दिल जलाती पर सुहानी

शाम बेशक दिल जलाती पर सुहानी लिख गया बेवफ़ा के प्यार को मैं जिन्दगानी लिख गया। कौन बैठा हँस रहा था मोगरे के फूल पर नाम जिसके नींद अपनी औ जवानी लिख गया।। खुवाहिशों ने सीस उनकी जब कभी महसूस की छोड़ करके गुल सभी मैं रातरानी लिख गया।। कल लुटायें थे जो' हमने चाँदनी की याद में अशुक के उन मोतियों का लिख गया।। ले गया तो क्या हुआ अहसास मोटे छीनकर दर्द की लेकिन मेरे दिल पे निशानी लिख गया।। क्यों किया था दिल्ली,अंजाम पर अफ़सोस है झूठ सारी बात थी पर मैं कहानी लिख गया।। **धीरज श्रीवास्तव**

रमेश पोखरियाल ‘निशंक’

मानव संसाधन विकास मंत्री
भारत सरकार

भारत सरकार हमारी बेटियों के कल्याण के लिए कृत संकल्पत है । महिला सशक्तीकरण के लिए कई सारी योजनाएँ चलायी गई हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, महिला हेल्पलाइन योजना, उज्ज्विला योजना, सपोर्ट टू ट्रेनिंग एंड एम्प्लॉयमेंट प्रोग्राम फॉर वूमन ; वन स्टॉप महिला शक्ति केंद्र, पंचायती राज योजनाओं में महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व देकर सरकार ने महिला सशक्तीकरण एवं विकास की एक नई इबारत लिखने की कोशिश की है। महिला शिक्षा हमारे राष्ट्र की संपन्नता एवं विकास की सीढ़ी है। महिला शिक्षा प्रत्येक परिवार, समाज , राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए न केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि परम आवश्यक है। महिला शिक्षा एक ऐसा सक्षम शस्त्र है, जो दुनिया को बदलने की क्षमता रखता है।

शिक्षित नारी ही समृद्ध भारत की कुंजी है

सौभाग्य से विश्व के वृहदतम शिक्षा तंत्रों में से एक का परिवारिक सदस्य होने के नाते मुझे सम्पूर्ण देश की शिक्षण संस्थाओं के दीक्षांत समारोहों में जाने का अवसर मिलता रहता है। एक रद्धान स्पष्ट रूप से सामने आता है कि हर क्षेत्र में हमारी बेटियाँ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं। बात डिग्रियों की हो, या फिर स्वर्ण पदक विजेताओं का विषय हो, यह औसतन साठ प्रतिशत से अधिक हमारी बेटियों का होता है। कहीं - कहीं तो यह 70-75 प्रतिशत से अधिक हो जाता है। मैं इसे एक अत्यंत शुभ संकेत के रूप में देखता हूँ। वस्तुतः विश्व के विकसित राष्ट्रों ने अपना गौरवमयी स्थान अपने देश की महिलाओं को समुचित आदर प्रदान करके ही हासिल किया है। संपूर्ण विश्वे 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने जा रहा है। राष्ट्र के निर्माण और विकास में स्त्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए स्वामी विवेकानंद ने नारी को पुरुष के समकक्ष बताते हुए कहा था, चिज्स देश में नारी का सम्मान नहीं होता, वह देश कभी भी उन्नति नहीं कर सकता।जुजु हमारे देश में वेदान्त ने स्पष्ट घोषणा की है कि सभी प्राणियों में एक समान आत्मा विराजमान है। इस नाते स्त्रियों और पुरुषों में कोई भी भेद संभव नहीं है। मेरा सदैव से यह मानना रहा है कि पुरुष का सम्पूर्ण जीवन नारी पर आधारित रहता है। कोई भी पुरुष अगर सफल है, तो उस सफलता का आधार नारी ही है।

वैसे भी देखा जाए तो जब कोई शिशु इस संसार में आता है, तो किशोरावस्था तक प्रथम गुरु के रूप में माँ से उसका सबसे अधिक संसर्ग होता है। यही कारण है कि स्त्री शिक्षा अत्यन्त महत्वपूर्ण है। समाज को संस्कारवान बनाने के लिए महिला शिक्षा उपयोगी ही नहीं, बल्कि अनिवार्य है। किसी भी सभ्य, विकसित और श्रेष्ठ समाज का निर्माण उस देश के शिक्षित नागरिकों द्वारा किया जाता है और नारी इस कड़ी का केवल महत्वपूर्ण आधार ही नहीं, बल्कि अनिवार्य शर्त है । जिस तरह एक-एक कोशिका मिलकर जीवन का निर्माण करती है, वैसे ही प्रत्येक परिवार की छोटी-छोटी इकाइयाँ मिलकर समाज का निर्माण करती हैं। सभी इकाइयों की ऊर्जा का स्रोत और सम्पूर्ण परिवार की केंद्र बिंदु नारी होती है। यदि नारी शिक्षित होती है, तो दो परिवार शिक्षित होते हैं और जब परिवार शिक्षित होता है, तो पूरा राष्ट्र शिक्षित होता है। यही कारण था कि महान विचारक रूसो कहते थे, च्छआप मुझे सौ आदर्श माताएं दें, तो मैं आपको एक आदर्श राष्ट्र दूंगा । अजर -अमर भारतीय संस्कृति से हमें

नारी को अत्यंत सम्मान देने की प्रेरणा मिलती है। हमारी संस्कृति हमें सिखाती है, यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमन्ते तत्र देवता+ अर्थात् जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। माता के रूप में नारी धरती पर अपने सबसे पवित्रतम रूप में है। माता यानी जननी। मां को ईश्वर से भी बड़कर माना गया है। स्वयं ईश्वर की जन्मदात्री भी नारी ही रही है। चाहे भगवान राम हों, गणेश/कार्तिकेय हों, कृष्ण हों या गुरुनानक हों, सदैव माँ के रूप में कोशल्या, पावती, यशोदा और तुत्सात देवी की आवश्यकता पड़ती है । मैं कई



बार सोचता हूँ कि आज जब समाज में विभिन्न प्रकार की चुनौतियाँ यक्ष प्रश्न बनकर हमारे सम्मुख खड़ी हैं, ऐसे में नई पीढ़ी को इस बारे में आत्मवलोकन करने की आवश्यकता है कि कैसे संस्कार देने में कमी रह गई है जिस कारण समाज में विकृतियाँ आ रही हैं। वैदिक काल की बात करें तो घोषा, लोपामुद्रा, सुलभा, मैत्रेयी और गार्गी जैसी विदुषियों ने बौद्धिक और आध्यात्मिक पराकाष्ठा के नए आयाम स्थापित किए । नई शिक्षा नीति में हमारा पूरा ध्यान इस बात पर केंद्रित है कि हमारी बलिकाएं कहीं भी पीछे नहीं रहें। बच्चे सबसे अधिक माताओं के सम्पर्क में रहा करते हैं। माताओं के संस्कारों, व्यवहारों व शिक्षा का प्रभाव बच्चों के मन मस्तिष्क पर सबसे अधिक पड़ता है। शिक्षित माता ही बच्चों के कोमल व उर्वर मन मस्तिष्क में उन समस्त संस्कारों के बीज बो सकती है, जो समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए परम आवश्यक है। शिक्षित और विकसित मन मस्तिष्क वाली नारी अपनी परिस्थिति और परिवार के प्रत्येक सदस्य की आवश्यकता

आदि का ध्यान रखकर घर की उचित व्यवस्था एवं संचालन कर सकती है। जीवन रूपी गाड़ी चलाने के लिए महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है । सशक्त भागीदारी के लिए महिला शिक्षा की अत्यन्त आवश्यकता है। यदि नारी अशिक्षित हो, तो वह अपने जीवन को विश्व की गति के अनुकूल बनाने में सदा असमर्थ रहेगी। यदि वह शिक्षित हो जाए, तो न केवल उसका पारिवारिक जीवन स्वर्गमय होगा, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के युग का सूत्रपात भी हो सकेगा। भारतीय समाज में शिक्षित माता, गुरु से भी बड़ कर मानी जाती है, क्योंकि वह अपने बच्चों को महान से महान बना सकती है। भारत में नारी और पुरुष के बीच जब-जब फर्क आया, तब-तब उस फर्क की बड़ी कीमत हमें चुकानी पड़ी । वास्तव में गंभीरता के साथ देखा जाए, तो यही ज्ञात होता है कि भारत की समस्याओं का एक प्रमुख कारण नारियों की अशिक्षा रहा है। इसका फल यह हुआ कि जो राष्ट्र विश्व गुरु था, वही आज अपना पुराना वैभव , गौरव पाने हेतु संघर्षरत है। भारत सरकार हमारी बेटियों के कल्याण के लिए कृत संकल्पत है । महिला सशक्तीकरण के लिए कई सारी योजनाएं चलायी गई हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, महिला हेल्पलाइन योजना, उज्ज्विला योजना, सपोर्ट टू ट्रेनिंग एंड एम्प्लॉयमेंट प्रोग्राम फॉर वूमन ; वन स्टॉप महिला शक्ति केंद्र, पंचायती राज योजनाओं में महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व देकर सरकार ने महिला सशक्तीकरण एवं विकास की एक नई इबारत लिखने की कोशिश की है। महिला शिक्षा हमारे राष्ट्र की संपन्नता एवं विकास की सीढ़ी है। महिला शिक्षा प्रत्येक परिवार, समाज , राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए न केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि परम आवश्यक है। महिला शिक्षा एक ऐसा सक्षम शस्त्र है, जो दुनिया को बदलने की क्षमता रखता है। नव भारत के निर्माण का नया अध्याय लिखने के लिए यह आवश्यक है कि हमारी प्रत्येक बेटी पढ़े और इस कुशलता से पढ़े कि वह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सके। बेटियों को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी सफल बनाने की मुहिम में सरकार पूरी तत्परता से उनके साथ है। इसमें कोई संदेह नहीं कि नव भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में महिला शिक्षा एक सक्षम उत्प्रेरक की भूमिका निभा सकती है ।

दिल्ली दंगों से बचा जा सकता था सिर्फकपिल मिश्र की गिरफ्तारी काफी थी

दिल्ली 1984 के बाद के सबसे बड़े दंगे के दौर से गुजर रहा है। अब यह शांति की ओर लौट रही है, लेकिन हिंसा फैलाने वाले लोग सोशल मीडिया और मेन स्ट्रीम मीडिया की सहदयता से अभी नफरत और घृणा फैलाने की अपनी कोशिश में मशगूल हैं। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक 42 लोगों की मौत की खबरें आ चुकी हैं, जिनमें दोनो समुदायों के लोग शामिल हैं। कुछ की तो शिनाख्त तक नहीं हो सकी है। देश की राजधानी दिल्ली की यह हिंसा पूरी दुनिया में भारत की बदनामी का कारण बन रही है और बुद्ध, महावीर और गांधी का यह देश एक हिंसक देश की छवि प्राप्त कर रहा है। इसमें कोई शक नहीं कि यदि दिल्ली पुलिस चाहती, तो दंगा नहीं होता। उसने समय रहते कारवाई नहीं की और न केवल अनेक मौकों पर मूक दर्शक बनी रही, बल्कि कुछ मौकों पर तो खुद भी दंगा करती दिखी। दिल्ली पुलिस की भूमिका का जहां तक सवाल है, तो वह 1984 की भूमिका में दिखाई पड़ रही थी। 1984 में इन्दिरा गांधी की हत्या के बाद पुलिस इसी तरह की भूमिका में थी। उस समय सिखाओं को मारा जा रहा था। पुलिस तमाशबीन बनी हुई थी। मर रहे लोग बहुत पास से उसे बचाने की गुहार लगाते थे, लेकिन वह ऐसा व्यवहार कर रही थी, मानो उस लकवा भर गया हो।



दिल्ली में भी पुलिस ने अपने लिए लगभग उसी तरह की भूमिका तय कर रखी थी। हालांकि फर्क यह था कि 1984 में दंगाइयों की संख्या बहुत ज्यादा थी और इस बार बहुत कम। इसके कारण दंगाई 1984 को दुहरा नहीं सके। दंगाइयों द्वारा 1984 को दुहराने में विफल रहने का एक कारण यह भी था कि हिन्दुओं ने मुसलमानों को जहां तहां बचाया और अपने घरों में शरण दी। मुस्लिम बहुल इलाकों में मुसलमानों ने भी अपने हिन्दु पड़ोसियों को सुरक्षा प्रदान की। इन सबके

अस्पताल में है। विडंबना देखिए कि जो डीसीपी अभी अस्पताल में है, सबसे बड़ी गलती उसी ने की थी। दंगे के लिए यदि पुलिस का कोई अधिकारी निजी तौर पर सबसे ज्यादा जिम्मेदार है, तो वही डीसीपी है, क्योंकि उसके सामने खड़े होकर ही भाजपा का पराजित प्रधानसभा उम्मीदवार हिंसा की धमकी दे रहा था। गौरतलब है कि हिंसा उस धमकी के बाद ही शुरू हुई। यदि धमकी देने के समय ही कपिल मिश्र को गिरफ्तार कर लिया जाता, तो दंगे होते ही नहीं। मिश्र ने वह धमकी सैंकड़ों दंगाइयों की उपस्थिति में पुलिस को दी थी और कहा था कि नागरिकता संशोधन कानून के विरोधियों को वह जल्द से जल्द हटाए। यदि वैसे नहीं हुआ, तो फिर वही हटाएगा। धमकी की एक समय सीमा भी उसने दी थी

और कहा था कि ट्रंप के जाने तक पुलिस अपना काम पूरा करे, नही तो वह पूरा करेगा। दिल्ली के उत्तरी पूर्वी जिला के पुलिस कप्तान को आमने सामने वह धमकी दी गई और फिर भी वह चुपचाप सुनता रहा। उसने न तो उस समय उसे गिरफ्तार किया और न ही बाद। उसका नतीजा यह हुआ कि हिंसा फैल गई। दंगा बढ़ता गया और उसकी चपेट में खुद वह डीसीपी भी आ गया। घायल होकर वह मरणासन्न हो गया था, लेकिन गहन चिकित्सा के बाद उसकी जान बच गई। यदि कपिल मिश्र की गिरफ्तारी हो जाती, तो एक संदेश जाता कि पुलिस उन सभी लोगों के खिलाफहैं, जो हिंसा करने का इशदा रखते हैं। उसे नहीं पकड़े जाने के कारण दंगाइयों में संदेश गया कि पुलिस उनके साथ है। पहले इस तरह के दांड़े नारा लगाते थे, “यह अंदर की बात है, पुलिस हमारे साथ है।” कपिल मिश्र के गिरफ्तार न होने से उन्हें लगने लगा कि यह सिर्फअंदर की बात नहीं है, बल्कि यह खुल्लम खुल्ल तथ्य है कि पुलिस उनके ही साथ है। इसके कारण दंगाइयों के होसले तो बढे ही, बल्कि उनकी संख्या भी बढ़ी और वे अपने कुत्सित कारनामों को अंजाम देने में जुट गए। “दिल्ली पुलिस जिंदाबाद” दंगाइयों का प्रमुख नारा बन गया था। जहां कहीं भी उन्हें पुलिस दिखाई देती, वे दिल्ली पुलिस का नारा लगाते। जहा पुलिस नहीं भी होते, वहां भी वे दिल्ली पुलिस का नारा लगाते, ताकि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपनी गिरोह में शामिल कर सकें। इस तरह के नारे लगाकर वे लोगों को अपनी गिरोह में शामिल करने का आमंत्रण देते थे, ताकि लोग समझे दंग करने पर दिल्ली पुलिस से उनको कोई खतरा नहीं है। सच तो यह है कि कपिल मिश्र की उस धमकी के पहले से ही दिल्ली पुलिस अपने कर्तव्य का पालन नहीं कर रही है।

QUIZ TIME

- प्रॉस्पेक्ट प्वाइंट (यूपएस) से कौन सा प्राकृतिक घटना देख सकते है?
- कांजी और काना अक्षर किस एशियाई भाषा को लिखने के लिए उपयोग किए जाते है?
- कांजी (चीन) खोजी जापानी (ग) भारतीय (घ) नेपाली

- निर्देशक ने टेलेफ़ोन ऑपरेटर के रूप में काम किया? (गुरुदत्त / सत्यजीत रे)
- प्रसिद्ध अमेरिकी इंजीनियर जॉर्ज लॉरर का निधन हो गया। वह थे-
- बंदूक का पुनरावृत्ति किस चीज का एक उदाहरण है?

- कलकत्ता में किस प्रसिद्ध हिंदी फिल्म

1)शिशिर 2)काली 3)कलकत्ता 4)शिशिर 5)काली 6)काली 7)काली 8)काली 9)काली 10)काली 11)काली 12)काली 13)काली 14)काली 15)काली 16)काली 17)काली 18)काली 19)काली 20)काली

आज का इतिहास

नयी दिल्ली । भारतीय एवं विश्व इतिहास में 02 मार्च की प्रमुख घटनाओं इस प्रकार है- 1700- छत्रपति शिवाजी महाराज के छोटे पुत्र राजाराम का सिंहगढ़ में निधन। 1949- भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाली तथा 'भारत काकिला' के नाम से मशहूर सरोजिनी नायडू का निधन। 1962- जनरल ने विन की अगुवाई में सेना ने बर्मा (अब म्यांमार) की सत्ता पर कब्जा किया। 1970- अफ्रीकी महाद्वीप का देश रोडे़शिया (अब जिम्बाब्वे) स्वतंत्र गणराज्य बना। 1982- बिहार की राजधानी पटना में महात्मा गांधी सेतु का उद्घाटन हुआ। 1981- तीन आतंकवादियों ने पाकिस्तान एयरलायंस के विमान का अपहरण किया। 1983- सोवियत संघ (अब रूस) ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।



शामिल हैं। साइना ने बीडब्ल्यूएफ (आईओसी) को टैग करते हुए ट्वीट किया, 'अगर कोरोना वायरस के कारण टूर्नामेंट रद्द हो रहे हैं तो क्रॉलिफ़्लेक्सन समय बढ़ाया जा सकता है। यह उन खिलाड़ियों के लिए अनुचित होगा जो ओलिंपिक्स 2020 के लिए क्राफ़िफ़ करने के करीब हैं।' लंदन ओलिंपिक्स की बॉन्ज

■ न्यूज गैलरी

कहीं बिजली की लाइन नहीं,कहीं ट्रिपिंग जारी

शहडोल नवप्रदेश। विद्युत मण्डल दावे चाहे जितना करे लेकिन बिजली की समुचित आपूर्ति और हर गांव को बिजली से जोड़ने की योजना अभी तक पूर्ण नहीं हो सकी है। एक ओर शहरी क्षेत्रों में बिजली की ट्रिपिंग की समस्या मुंह बाए खड़ी है और दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों से जानकारी मिलती है कि वहां अभी तक बिजली नहीं पहुंची है। गत दिवस ग्राम पंचायत रोहनिया गाँव के कुछ लोगों ने कलेक्टर को जानकारी दी थी कि ग्राम पंचायत रोहनिया के आदिवासी बाहुल्य मोहार टोला में बिजली नहीं पहुंची है। जबकि गाँव के दूसरे मोहल्ले में बिजली पहुंच गई है। रोहनिया के आदिवासी बाहुल्य मोहल्ले में भी बिजली की सुविधा मिलनी चाहिए। ग्रामीणों की बिजली की मांग पर कलेक्टर ने भी सहमति व्यक्त की।

48 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देने 25964 विद्यार्थी नामांकित

शहडोल नवप्रदेश। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा कक्षा 10 व 12 की परीक्षाएं आज 2 मार्च से शुरू हो रही हैं। इस आशय की जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी रणमत सिंह द्वारा दी गई है। उन्होंने बताया कि कक्षा 10 में 16 001 तथा कक्षा 12 में 9963 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसके लिए जिला प्रशासन के सहयोग से मुक्तमल व्यवस्था की गई है। पूरे जिले में कुल 48 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं आयोजित होंगी। इनमें से 3 संवेदनशील तथा 2 अति संवेदनशील परीक्षा केंद्र चिह्नित किए गए हैं। अति संवेदनशील परीक्षा केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या शहडोल तथा शासकीय हाई स्कूल सोहागपुर है यहां सुरक्षा हेतु पर्याप्त व्यवस्था है।

डीडओ श्री सिंह ने बताया कि पूरे जिले भर में 9 फ्लाईंग स्कायड बनाए गए हैं। इनमें से एसडीएम स्तर के 5 दो तहसीलदार स्तर के एक जिला शिक्षा समन्वयक एवं डी ई ओ का है। उक्त फ्लाईंग स्कायड पूरे जिले में चल रही परीक्षा केंद्रों का जायजा लेंगे।

चरकी घाटी में पलटी बस,10 मुसाफिर घायल

शहडोल नवप्रदेश। जिले देवलौंद थाना अंतर्गत चरकी घाटी में रीवा से अमरकंटक की ओर जाने वाली बस के चरकी घाटी में पलटने की घटना प्रकाश में आई है। घटना की जानकारी देते हुए देवलौंद पुलिस के अनिल गौतम ने बताया कि घटना रविवार को सुबह करीब 9 बजे की है। बस में सफर कर रहे राकेश कुमार पुत्र रामचंद्र उम्र 32 वर्ष निवासी कानपुर, माया देवी पत्नी राकेश कुमार 29 वर्ष , प्रीति पुत्री राकेश उम्र 7 वर्ष, देव कुमार पुत्र राकेश उम्र 4 वर्ष तथा उमा देवी 33 वर्ष निवासी कटनी घायल हैं। जिनका इलाज देवलौंद अस्पताल में चल रहा है। वहीं चार-पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जिन्हें रीवा रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

बैंक एटीएम तोड़ने का आरोपी पकड़ाया

शहडोल नवप्रदेश। बुढ़ार नगर अंतर्गत 27 व 28 फरवरी की दरमियानी रात कोतमा रोड में स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में तोड़फोड़ की गई थी। घटना की शिकायत असिस्टेंट मैनेजर एसबीआई बुढ़ार के द्वारा 28 फरवरी की सुबह थाने में की गई थी। बुढ़ार पुलिस ने इस मामले को भादवि की धारा 380, 511, 427 के तहत कायम कर अपराधियों की तलाश शुरू कर दीथी। 2 ही दिनों में आरोपी पुलिस के हथ्थे चढ़ गये। थाना प्रभारी महेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि 28 तारीख की रात 1 बजे के आस-पास अमलाई चौक बुढ़ार में राजा अस्फाक नामक युवक को हाथ में राड लेकर धूमते हुए देखा गया था। धनपुत्री थाना अंतर्गत रहने वाले कथित युवक की पतासाजी की गई। पकड़े जाने पर उसने घटना कारित किया जाना स्वीकार किया।

पानी टंकी से सप्लाई अधूरी, कई हैण्डपंपों में प्लेटफार्म नहीं

नवलपुर, छतवई, बरुका में पानी का बढ़ रहा संकट

नवप्रदेश संवाददाता

शहडोल। प्रभारी मंत्री ओमकार सिंह मरकाम ने महीनों पहले पेयजल सुदृढीकरण करने के उद्देश्य से पानी टंकियों और हैण्डपंपों के रखरखाव करने के निर्देश दिए थे। लेकिन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने उनके निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया है। मुख्यालय के समीपी गांवों में ही पानी का संकट अभी टंड के मौसम में ही व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी के मौसम में पानी का हाहाकार ही मच जाता है। इस वर्ष भी यही स्थिति दखलाई पड़ती है। समीपी ग्राम नवलपुर में कुछ वर्षों पूर्व बनवाई गई थी लेकिन उसकी



सप्लाई केवल कुछ घंटों तक सीमित है। शेष गांव के लिये टंकी आज भी शोपीस बनी हुई है। इसी तरह बरुका, छतवई और धुरवार की

टंकियां भी पेयजल की सुचारू आपूर्ति नहीं कर पा रहीं हैं। जिससे ग्रामीण पानी के लिए परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों



और सूचनाओं के बाद भी सुधार नहीं होता।

पाइप लाइन का विस्तार नहीं

नवलपुर ग्राम के निवासियों ने बताया कि पीएचई ने ग्रामीणों की मांग पर पानी की टंकी का निर्माण कराया लेकिन लाखों रुपए व्यय होने और वर्षों बीत जाने के बाद भी ग्रामीणों को पानी नहीं मिल पा रहा है। कारण यह है कि अभी तक टंकी के आसपास के घरों को छोड़कर गांव के अन्य टोलों में नल कनेक्शन के लिए पाइप लाइन ही नहीं बिछायी गई है। इसके लिए कई बार कहा गया लेकिन सरपंच, सचिव व पीएचई के अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। ग्रामीणों को आज तक नल का स्वच्छ पानी नसीब नहीं हो सका है। गर्मी के दिनों में तो समस्या और भी बढ़

जाती है क्योंकि कई हैण्डपंप भी बिगड़ जाते हैं। लोगों को दूर दराज पानी के लिए भटकना पड़ता है।

हैण्डपंपों में नहीं प्लेटफार्म

नवलपुर में कई ऐसे हैण्डपंप भी स्थापित कराए गए हैं जिनमें प्लेटफार्म ही नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि शासन द्वारा पूरे हैण्डपंप उलखनन के साथ ही प्लेटफार्म आदि के लिए भी बजट आता है लेकिन उसका मनमानी खर्च किया जाता है। जबकि कलेक्टर ने भी निर्देश दिए थे कि हैण्डपंपों में प्लेटफार्म बनवाया जाए और उसके समीप सोकपिट भी बनवाए लेकिन न तो ग्रामपंचायत और न अधिकारी

इस ओर ध्यान दे रहे हैं।

छतवई बरुका में भी पेयजल संकट

समीपी ग्राम छतवई और बरुका ग्रामपंचायत में भी पानी की स्थिति लचर है। पानी की टंकियां दोनो ग्रामपंचायतों में हैं लेकिन टंकियों का रखरखाव तथा वाटर सप्लाई को गंभीरता से नहीं लेने के कारण सप्लाई सुचारू रूप से नहीं होती है। बताया गया कि एक तो कुछ दूर तक पाइप बिछने के बाद पानी की सप्लाई लाइन नहीं है और दूसरे वाटर सप्लाई के लिए मोटर पंप संचालित करने आपरेटर की भी कमी है।

ऑनलाईन परीक्षा में सफल होने पर नवनिर्वाचित पार्षद विधायक ने किया सीसी रोड का भूमिपूजन

गढ़बो डिजिटल छत्तीसगढ़ : एक शहीद की विधवा, तीन बहनों सहित मदरसा के मौलाना ने दिलाई ऑनलाईन परीक्षा

रायपुर। गढ़बो डिजिटल छत्तीसगढ़ की ऑनलाईन परीक्षा में प्रदेश के ई-साक्षरता केन्द्रों में कई रोचक नजारे देखने को मिले। नगर निगम की एक नवनिर्वाचित पार्षद ने ऑनलाईन परीक्षा देकर जैसे ही सफलता अर्जित की वैसे ही उसके आंखों में आंसू छलक गए और उन्होंने कम्प्यूटर को नमन किया। धमतरी जिले के ई-साक्षरता केन्द्र में अध्ययनरत शिक्षार्थी श्री रविन्द्र कुमार दीवान ने अपनी मां का स्वर्गवास होने पर भी प्रशिक्षण अधूरा नहीं छोड़ा और ऑनलाईन मूल्यांकन में शामिल होकर सफलता प्राप्त की। राजनांदगांव जिले के शहीद संदीप यदु की विधवा श्रीमती गिरजा यदु ने ऑनलाईन परीक्षा दी।

महासमुंद्र जिले के ई-साक्षरता में तीन सगी बहने दुर्गेश्वरी, काजल और चिकी ने ऑनलाईन परीक्षा में शामिल होकर सफलता प्राप्त की। नगर पंचायत गंडई के मदरसा के मौलाना मुरशिद रजा और अकील रहमान खान ने ई-साक्षरता केन्द्र में मूल्यांकन में शामिल होकर सफलता पाई।

नवनिर्वाचित पार्षद ने भी डिजिटल साक्षरता के महत्व को स्वीकारा। मुख्यमंत्री शहरी कार्यात्मक साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत धमतरी जिले में संचालित ई-साक्षरता केन्द्र के 10वें और 11वें बैच की अभ्यर्थी श्रीमती राही यादव (नवनिर्वाचित पार्षद) ने जब बाह्य मूल्यांकन में सफलता प्राप्त की तो उनकी आंखों में खुशी के आंसू छलक आए। राही यादव ने कहा कि 21वीं सदी में जहां इच्छाओं और आकांक्षाओं ने आकाश की सीमाओं को चुनौती दी है, ऐसे में एक पार्षद राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने के

लिए डिजिटल साक्षरता का ज्ञान जरूरी है। उन्होंने कार्य की व्यस्तता के बावजूद प्रशिक्षण के दौरान केन्द्र में नियमित उपस्थिति दी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में निर्धारित 12 विषयों का ज्ञान भावी जीवन में लाभकारी साबित होगा, सफलता के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। श्रीमती राही यादव ने ई-साक्षरता केन्द्र से जुड़कर नये अनुभव प्राप्त किया है। वीडियो वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि वे केन्द्र में दी गई शिक्षा को अपने जीवन में आत्मसात करेंगी और न केवल वाईवसियों को बल्कि पूरे जिले के नागरिकों को ई-साक्षरता केन्द्र में आने के लिए प्रेरित करेंगी। ई-साक्षरता केन्द्रों में तीन दिवसीय ऑनलाईन बाह्य मूल्यांकन आयोजित किया गया। 'गढ़बो डिजिटल छत्तीसगढ़' मुख्यमंत्री शहरी कार्यात्मक साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत छत्तीसगढ़ के ई-साक्षरता केन्द्रों में छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसायटी द्वारा आयोजित

ऑनलाईन बाह्य मूल्यांकन में लगभग एक हजार 800 शिक्षार्थी सम्मिलित हुए। उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम के कुशल मार्गदर्शन में देश में पहली बार शहरी क्षेत्र के डिजिटल असाक्षरों के लिए गढ़बो डिजिटल छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री शहरी कार्यात्मक साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत छत्तीसगढ़ में 36 केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। संचालक श्री जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने बताया कि मार्च 2020 तक लगभग 3 हजार शिक्षार्थियों को डिजिटल साक्षर बनाए जाने का लक्ष्य है।राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के संचालक एवं सदस्य सचिव श्री जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने बताया कि नवाचारी कार्यक्रम गढ़बो डिजिटल छत्तीसगढ़ में 15 से 60 आयु समूह के डिजिटल असाक्षरों को प्रशिक्षित ई-एजुक्रेटर द्वारा एक माह में डिजिटल उपकरणों का उपयोग करना सिखाया जाता है।

निर्देशों व आश्वासनों तक सीमित नगरीय आवागमन का सुधार

धरने, प्रदर्शन व ज्ञापनों के बाद भी नहीं बदल रहे हालात

नवप्रदेश संवाददाता

शहडोल। नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार लाने अधिकारियों द्वारा निर्देश दिए जाते हैं और कभी कभी पीड़ित नागरिकों द्वारा धरना प्रदर्शन किया जाता है लेकिन इसके बाद भी समस्या का अंत नहीं होता है। पुरानी बस्ती रेलवे फाटक की समस्या समाधान के लिए पूर्व में किया गया प्रदर्शन और ज्ञापन तथा वाई नंबर 28, 29 के नागरिकों द्वारा किया गया सड़क पर प्रदर्शन इस बात के उदाहरण हैं। आश्वासन मिलता है लेकिन समस्या जहां की तहां रह जाती है उसका निराकरण नहीं होता है।

रेलवे स्टेशन और कल्याणपुर

पचगांव को जोड़ने वाला नगर का एक मात्र पुरानी बस्ती स्थित रेलवे फाटक केआस पास होटल और रेहड़ी वालो ने अपनी दुकाने लगाकर अतिक्रमण कर लिया है। जिससे यह मार्ग जो पहले से सकरा था अब और सकरा हो गया। एक तो यहाँ अधिकतम टाइम फाटक बंद रहता है। जिसके कारण यहां लम्बा जाम लग जाता है, उस पर स्थिति ये है कि जब फाटक खुलता है तो दोनों ओर से मार्ग सकरा होने के कारण जाम खुलने में लम्बा समय लग जाता है जिससे लम्बा जाम लगने के कारण अव्यवस्था की स्थिति निर्मित हो जाती है। रेलवे अधिकारियों ने फाटक की समस्या को हल करने का आश्वासन तो दिया है,लेकिन यह केवल सर्वे तक होकर रह गया और समस्या जस की तस है। इस

रास्ते में यातायात पुलिस की अनदेखी ने जनता की परेशानी बढ़ा रखी है। हालात यह है कि रेहड़ी और ठेले वालों ने रेलवे बैरियर तक अतिक्रमण कर लिया है। फाटक बंद होते ही यहां भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और आसपास के होटल के सामने खड़ी गाड़ियां और दुकानों के छज्जे भी मार्ग में अवरोधक का कार्य कर रहे हैं साथ ही आए दिन दुकान संचालकों और राहगीरों के बीच झगड़े होते रहते हैं।

आश्वासन का पालन नहीं

बस्तियों के बीच से ओव्हर लोड ट्रकों की आवाजाही से त्रस्त होकर कई महीनों पूर्व वाई नंबर 28 व 29 के नागरिकों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया था। जिसे समाप्त कराने जिला प्रशासन के अधिकारियों ने आश्वासन दिया था।

मीडिया कर्मों पर हमला



राजधानी में वीडियो जर्नलिस्ट पर हुआ हमला भाजपा के कार्यक्रम से निकलने के बाद कार्यकर्ताओं ने की मारपीट कैमरामैन और ड्राइवर के साथ 4 से ज्यादा युवकों ने की मारपीट देवदनगर थाने में एफआईआर दर्ज।

तकनीक इजराइली पद्धति से छोटी सी जगह में श्री जंपाला कर रहे ऑर्गेनिक मछलियों का उत्पादन

नील क्रांति की ओर किसान बढ़ा रहे कदम

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नील क्रांति की ओर एक और कदम बढ़ाया है दुर्ग जिले के बोडेगांव के किसान जंपाला रत्नाकर ने। उनका पिछा फर्म यूनिट केवल 13 हजार स्क्वायर मीटर में फैला है। यह एकड़ का चैथा हिस्सा है लेकिन यहां लगभग उतनी ही मछलियां पल रही हैं जितनी मछली पालन के लिए बनाए गए 50 एकड़ के तालाब में पलतीं। श्री रत्नाकर ने यह कमाल किया है इजराइली पद्धति आरएएस (रिसाइक्लिंग एक्वा सिस्टम) का सहारा लेकर। स्टेनलेस स्टील से बनी यह भारत की दूसरी आरएएस यूनिट है जिसमें सबसे आधुनिक तकनीक से मछली पालन किया जा रहा है। स्टेनलेस स्टील का ऐसा दूसरा यूनिट बंगलुरु में है। इसी तरह की अत्याधुनिक तकनीक वाले दो अन्य यूनिट इंदौर और हैदराबाद में हैं। यूनिट में मछलियों की बढ़त हो रही है। जिसकी पहली खेप बाजार में वे अप्रैल तक आएंगी। श्री रत्नाकर ने बताया



कि प्लांट में 240 टन मछलियों के उत्पादन का लक्ष्य है। कोशिश रहेगी कि हर दिन कम से कम एक टन मछलियां वे बेच सकें। श्री रत्नाकर बताते हैं कि यूनिट की कुल लागत लगभग 3 करोड़ रुपए की है। इसमें 20 लाख रुपए का अनुदान राज्य शासन की ओर से नील क्रांति अभियान के अंतर्गत दिया गया

है। इस यूनिट में श्री रत्नाकर मत्स्यपालन का प्रशिक्षण भी देंगे और बेहतर तरीके से मत्स्यपालन करने के इच्छुक किसानों के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण संस्थान साबित होगा।

दुर्ग-भिलाई क्षेत्र में अभी मछलियां आंध्रप्रदेश और कोलकाता से आ रही हैं और बड़ी मात्रा में आ रही हैं। स्थानीय

बाजार में डिमांड की तुलना में सप्लाई काफी कम है। स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर मछलीपालन होने पर आय की नई संभावनाएं पैदा होंगी। श्री रत्नाकर ने बताया कि हर दिन लगभग 60 किलोग्राम सूखी मछली बीट निकलने की संभावना है। अभी इसका बाजार भाव एक हजार रुपए है। इस तरह केवल मछली

बीट बेचकर ही लगभग 60 हजार रुपए की आय हो सकती है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हम लोग किसानों को लगातार खेती के साथ ही फसल विविधता और मत्स्यपालन जैसे क्षेत्रों में भी काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। श्री रत्नाकर ने आरएएस अपनाकर इस दिशा में बड़ा कदम उठाया है। श्री रत्नाकर ने बताया कि उन्हें पैरों में चोट आ गई थी और डाक्टर ने उन्हें आराम करने का सुझाव दिया था। एक न्यूज चैनल ने उन्होंने हैदराबाद में एक यूनिट में इजराइली पद्धति से मछली का उत्पादन के बारे में देखा। उन्होंने उसी चक्र सोच लिया कि यह काम यहां करेंगे। फिर दो साल लगातार हैदराबाद में यूनिट हेड के संपर्क में रहे। छत्तीसगढ़ में मत्स्य अधिकारियों से मार्गदर्शन लिया और सपना पूरा कर लिया। यूनिट में उत्पादित होने वाली मछलियां पूरी तरह से ऑर्गेनिक होंगी। इसके लिए मछलियों को

महानदी, गोदावरी और नर्मदा नदी बेसिन के जीर्णोद्धार परियोजना को दिया गया अंतिम रूप



रायपुर। छत्तीसगढ़ की जीवनदायनी महानदी सहित गोदावरी और नर्मदा नदी रिवर बेसिन के जीर्णोद्धार के लिए आज नवा रायपुर के अरण्य भवन में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ के प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री राकेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित इस परामर्श बैठक में वानिकी हस्तक्षेप मद के अंतर्गत रिवर बेसिन जीर्णोद्धार कार्य के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। वन उत्पादकता संस्थान (आईसीएफफ़आई) के तत्वाधान में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली, राष्ट्रीय

वनीकरण और पर्यावरण विकास बोर्ड नई दिल्ली तथा राज्य शासन के वन विभाग के सहयोग से आयोजित इस बैठक में जीर्णोद्धार की कार्ययोजना तय करने के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) पर विचार-विमर्श कर डीपीआर को अंतिम रूप दिया गया।

परामर्श बैठक का आयोजन वानिकी, कृषि और अन्य भूमि प्रकार के लिए तैयार किए गए विभिन्न कार्यों और मॉडलों को भी प्रदर्शित किया गया। जिनके आधार पर नदियों के वानिकी कार्य के माध्यम से जीर्णोद्धार की परिकल्पना की गई है।

